अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2019–20

कक्षा : दशम

FZB/130

विषय : हिन्दी

समय : 3:00 घंटा

पूर्णांक : 40

सामान्य निर्देश – यथासंभव प्रत्येक प्रश्न के उत्तर क्रमशः दीजिए।

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनकर लिखिए।

पढ़ने–लिखने का सारा काम रात में करते थे। तंदुरुस्ती बीच–बीच में टूट जाती थी। दवा–दारू के लिए शिवरानी रुपए देती, तो वे उस रकम का भी प्रेस में खर्च कर डालते, वैद्यो और हकीमों से सस्ती दवाएं लेते रहते। आराम बिल्कुल नहीं करते थे। पूरी नींद सोते नहीं थे। खाना भी मामूली किस्म का खाते।

1936 के बाद दशा कुछ बदली जरूर, मगर प्रेमचंद का परिश्रम और भी बढ़ गया। उनका जीवन ऐसा दीप था, जिसकी लौ मद्धम नहीं, तेज प्रकाश देने को मजबूर थी। पर उस दीप में कभी पूरा–पूरा तेल नहीं डाला गया। लौ हमेशा बत्ती के रेशे को ही जलाती रही।

वे चाहते थे कि उनके जीवन–दीप का प्रकाश दूर–दूर तक फैले, वक्त पर फैले, अच्छी तरह फैले। अपनी सारी किताबें, अपना सारा साहित्य, अपने प्रेस में ही छपवाकर सारे देश में फैला देना चाहते थे। किसानों, मजदूरों, युवकों, विद्यार्थियों, स्त्रियों और अछूतों की दर्दनाक जिंदगी को आधार बनाकर, जो कुछ भी लिखें सभी कुछ छापकर जनता सजग सचेत बना देने का संकल्प प्रेमचंद के अंदर हिलोरे ले रहा था। यही प्रेमचंद का उद्देश्य था।

क. दवा के लिए प्रेमचंद को पैसे कौन देता था? (1)

ख. प्रेमचंद की क्या इच्छा थी? (1)

ग. प्रेमचंद का स्वास्थ्य क्यों बिगड़ने लगा? (2)

घ. 'पर उस दीप में कभी पूरा पूरा तेल नहीं डाला गया।' इस पंक्ति में दीप शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है? (2)

ङ. प्रेमचंद के लेखन का उद्देश्य क्या था? (2)

2. अपनी मां की चेक बुक खो जाने की सूचना देते हुए बैंक के प्रबंधक को एक पत्र लिखिए। (4)

अथवा

विद्यालय में नियमित उपस्थिति रहने और परीक्षा की तैयारी भली–भांति करते रहने की सलाह देते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए।

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए–

क. 'बच्चा दौड़ा और मां के पास पहुंच गया।' वाक्य भेद बताइए। (1)

ख. 'मेरा मित्र आकर चला गया।' – संयुक्त वाक्य में परिवर्तित कीजिए। (1)

4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए–

क. 'सुरेन्द्र पुस्तक पढ़ता है।' – कर्मवाच्य में परिवर्तित कीजिए। (1)

ख. 'मैं यह भाषा नहीं पढ़ सकूंगा।' – वाच्य भेद बताइए। (1)

5. रेखांकित का पद परिचय दीजिए–

क. <u>भारत</u> संसार का बहुत बड़ा लोकतंत्र है।

ख. मोनिका <u>दसवीं</u> कक्षा में पढ़ती है।

6. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

पिता के ठीक विपरीत थीं हमारे बेपढ़ी लिखी मां। धरती से कछ ज्यादा ही सहनशक्ति थी शायद उनमें। पिता जी की हर ज्यादाती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित–अनुचित फरमाइश और जिद को अपना फर्ज समझ कर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे। उन्होंने जिंदगी भर कुछ मांगा नहीं, चाहा नही..... केवल दिया ही दिया। हम भाई बहनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) मां के साथ ही था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी मे लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका.....'।

क. 'लेखिका की मां पिता के ठीक विपरीत थीं' का क्या अर्थ है? (1)

ख. लेखिका की मां और धरती में किस गुण में समानता थी? (1)

ग. लेखिका की मां किसे अपना कर्तव्य समझती थीं? (1)

घ. लेखिका की मां का कौन सा गुण कभी उसका आदर्श नहीं बन सका? (1)

7. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित पांच प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लिखिए–

क. कैप्टन को न देखने तक हालदार साहब के मन में उसकी कौन सी छवि रही होगी? (2)

ख. बालगोबिन भगत के किन गुणों के खातिर लोगों को कुतूहल होता था? (2)

ग. लेखक को नवाब साहब के किन हाव भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं? (2)

घ. लेखक ने फादर बुल्के को 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' क्यों कहा? (2)

ङ. 'एक कहानी यह भी' पाठ की लेखिका के व्यक्तित्व पर किन–किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पडा? (2)

8. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए–

छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।
जीवन में है सुरंग सुधियाँ सुहावनी
छवियों की चित्र गंध फैली मन भावनी
तन सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,
कुंतल के फूलों की याद बनी चादनी।

भूली से एक छुअन बनता हर जीवित क्षण
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।

क. यहा 'छाया' शब्द किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है? (1)
ख. कवि ने छाया को न छूने का परामर्श क्यों दिया है? (1)
ग. 'जीवन में हैं सुरंग सुधियां सुहावनी' का क्या अर्थ है? (1)
घ. चांदनी को देखकर कवि को किसकी याद आती है? (1)
ङ. छाया को छूने का क्या परिणाम होता है? (1)

9. काव्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित पांच प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लिखिए–
क. गोपियों ने किन–किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं? (2)
ख. कविता का शीर्षक उत्साह क्यों रखा गया है? (2)
ग. कवि की आंख फागुन की सुन्दरता से क्यों नहीं हट रही है? (2)
घ. बच्चे की दन्तुरित मुस्कान का कवि के मन पर क्या प्रभव पड़ता है? (2)
ङ. कवि के अनुसार फसल क्या है? (2)

10. पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न के उत्तर लिखिए।
क. 'माता का अंचल' पाठ के आधार पर माता–पिता का बच्चे के प्रति जो वात्सल्य व्यक्त हुआ है उसे अपने शब्दों में लिखिए। (2)

अथवा

ख. जार्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या–क्या यत्न किए? (2)